# सम्राट और बुलबुल

हंस क्रिस्चियन एंडरसन
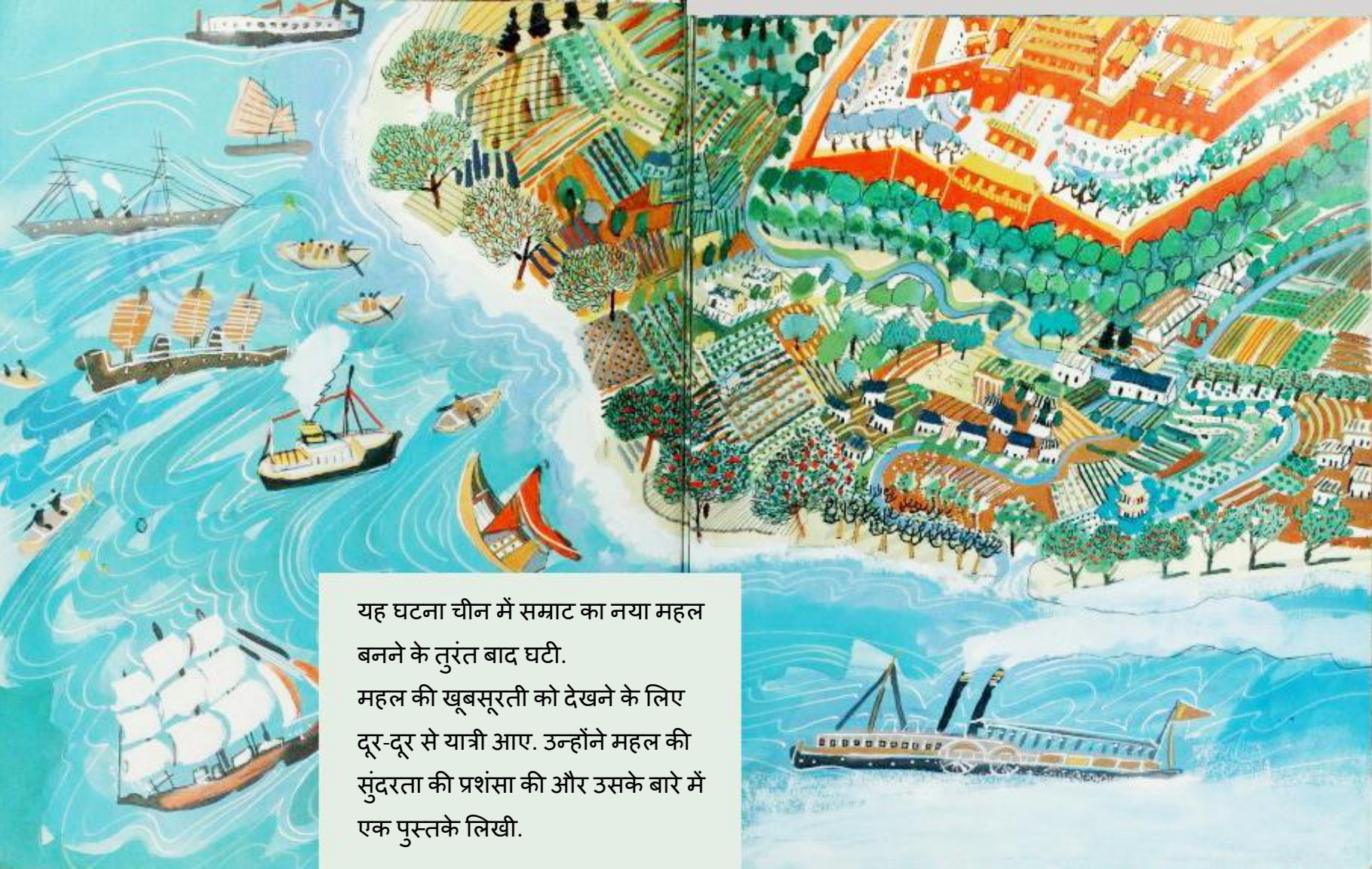
यह घटना चीन में सम्राट का नया महल बनने के तुरंत बाद घटी.
महल की खूबसूरती को देखने के लिए दूर-दूर से यात्री आए. उन्होंने महल की सुंदरता की प्रशंसा की और उसके बारे में एक पुस्तके लिखी.

जब सम्राट ने किताबें पढ़ीं, तो यह वाक्य पढ़कर उन्हें कुछ अजीब लगा: "महल अद्भुत चीजों से भरा है, लेकिन वहां पर बुलबुल का गाना सबसे अच्छा है."

सम्राट को जानकारी मिली कि उनके महल में एक संगीतकार बुलबुल थी. उन्होंने तुरंत अपने प्रधान मंत्री को बुलाया.

"उस बुलबुल को मेरे लिए गाना चाहिए!" सम्राट ने फरमाईश की. प्रधानमंत्री ने बुलबुल को खोजने के लिए सैनिकों को भेजा, लेकिन वे उसे नहीं खोज पाए. फिर प्रधानमंत्री को रसोई में एक नौकरानी मिली जिसने उस पहेली को सुलझाया.

"हर शाम मेरे लिए बुलबुल गाती है," रसोई की नौकरानी ने कहा.
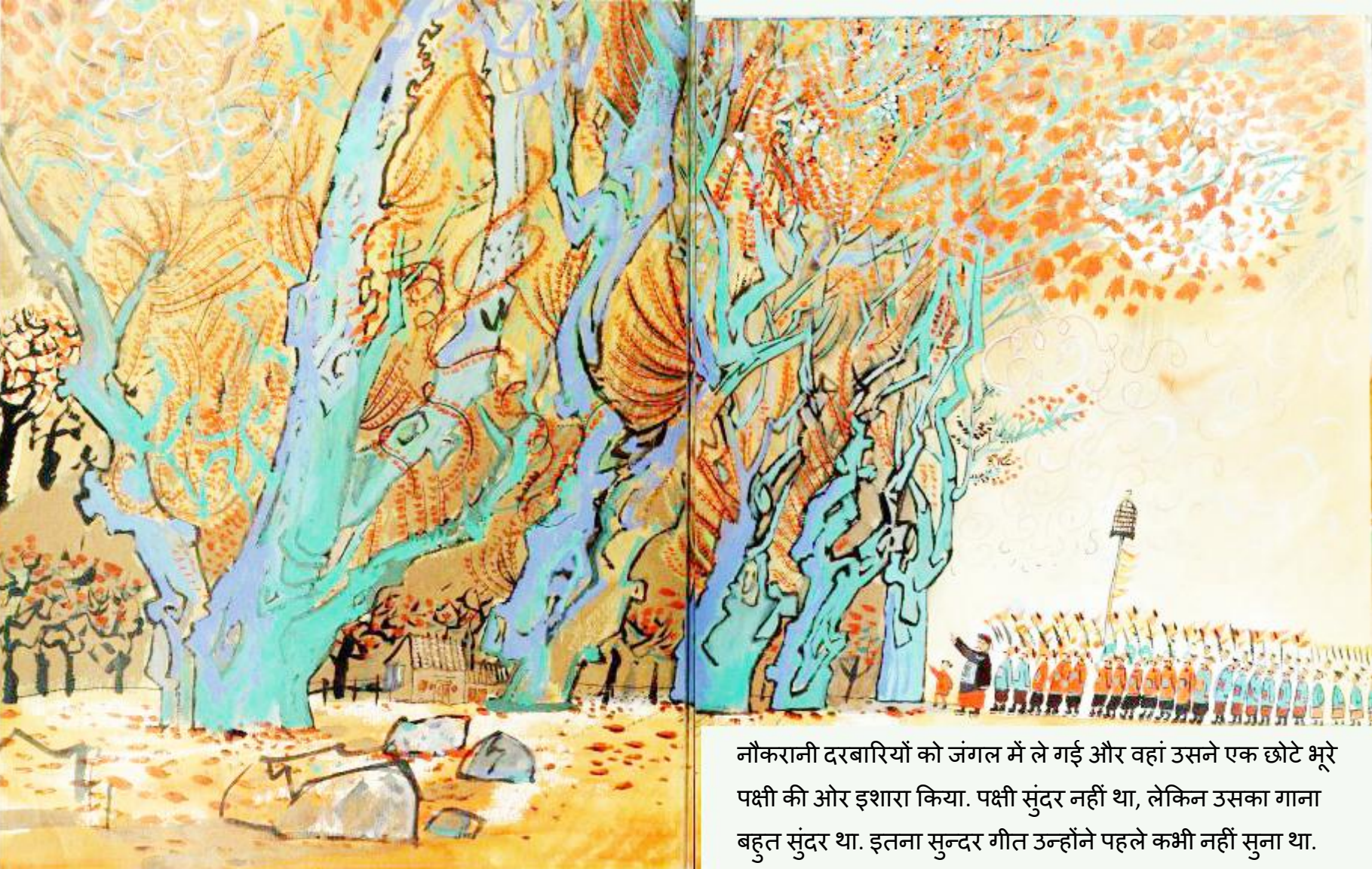
नौकरानी दरबारियों को जंगल में ले गई और वहां उसने एक छोटे भूरे पक्षी की ओर इशारा किया. पक्षी सुंदर नहीं था, लेकिन उसका गाना बहुत सुंदर था. इतना सुन्दर गीत उन्होंने पहले कभी नहीं सुना था.

उस शाम को बुलबुल ने सम्राट के लिए कुछ देर गाया. जब सम्राट ने उसके सुन्दर गीत को सुना, तो उनकी आँखों से आँसू गिरने लगे.

फिर बुलबुल के लिए एक सुनहरा पिंजरा बनवाया गया और उसकी सुरक्षा के लिए बारह पहरेदारों को नियुक्त किया गया.
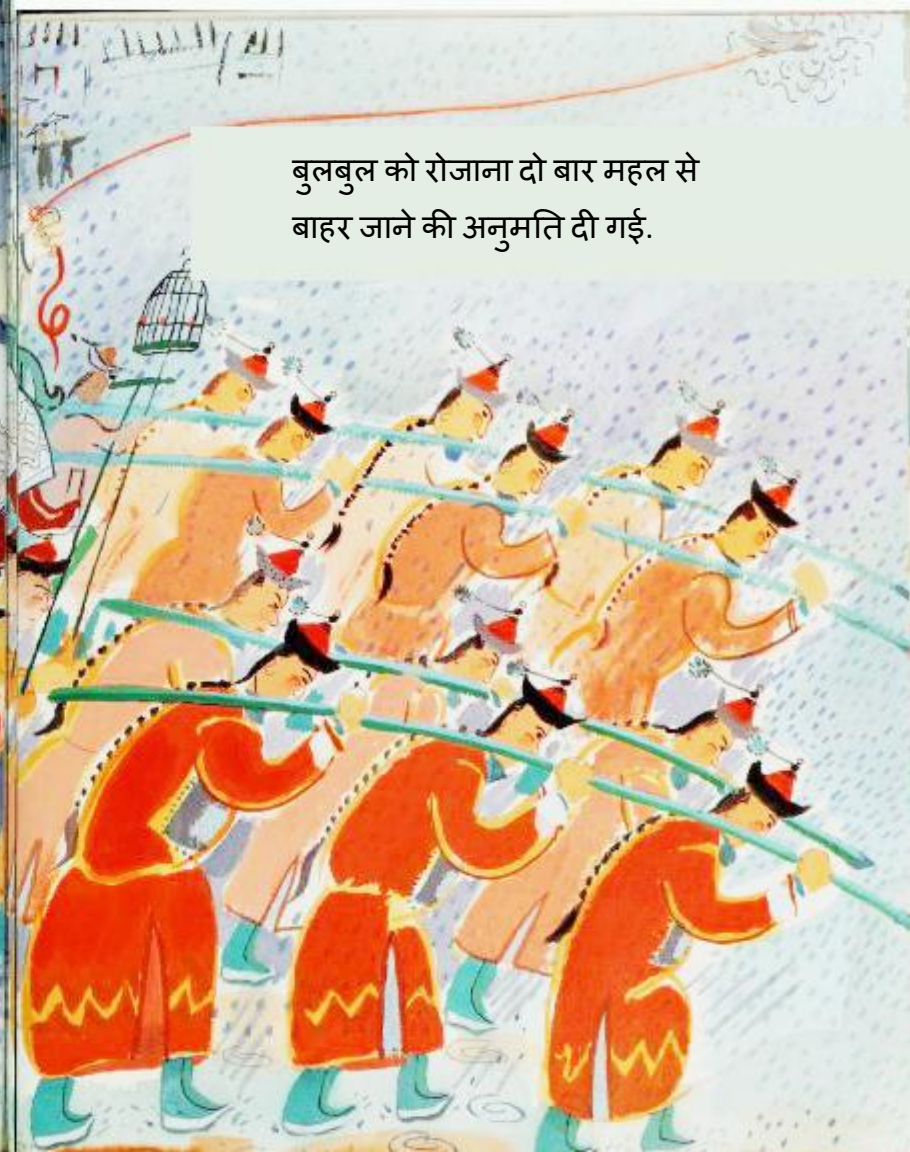
बुलबुल को रोजाना दो बार महल से
बाहर जाने की अनुमति दी गई.

एक दिन सम्राट को किसी ने एक नए खिलौना भेंट किया. वो एक यांत्रिक बुलबुल थी जो चाभी भरने से चलती थी. यांत्रिक बुलबुल एक असली पक्षी जैसे ही गाती थी. वो बहुत खूबसूरत गीत गाती थी - और साथ में वो सुंदर भी थी.
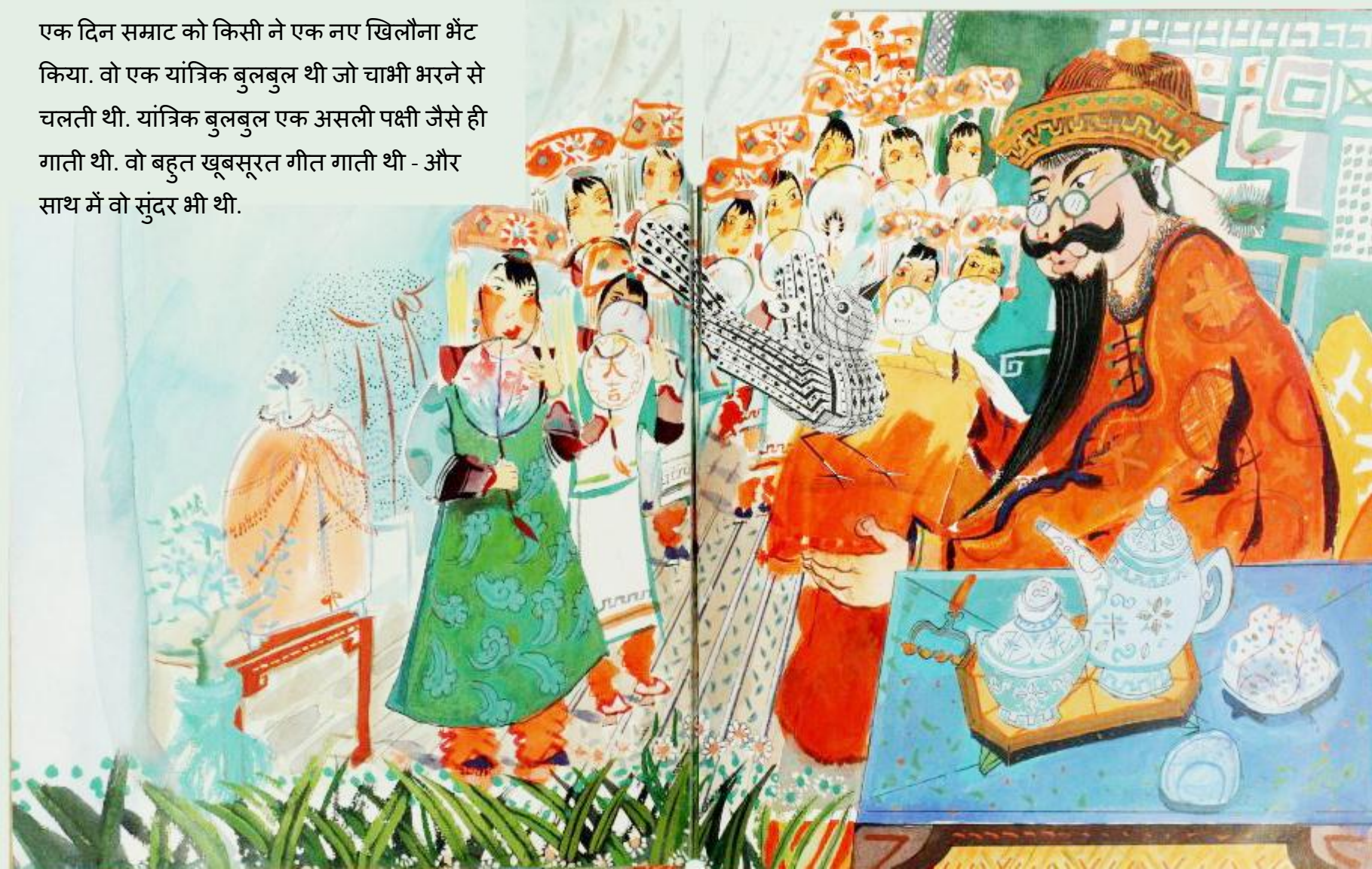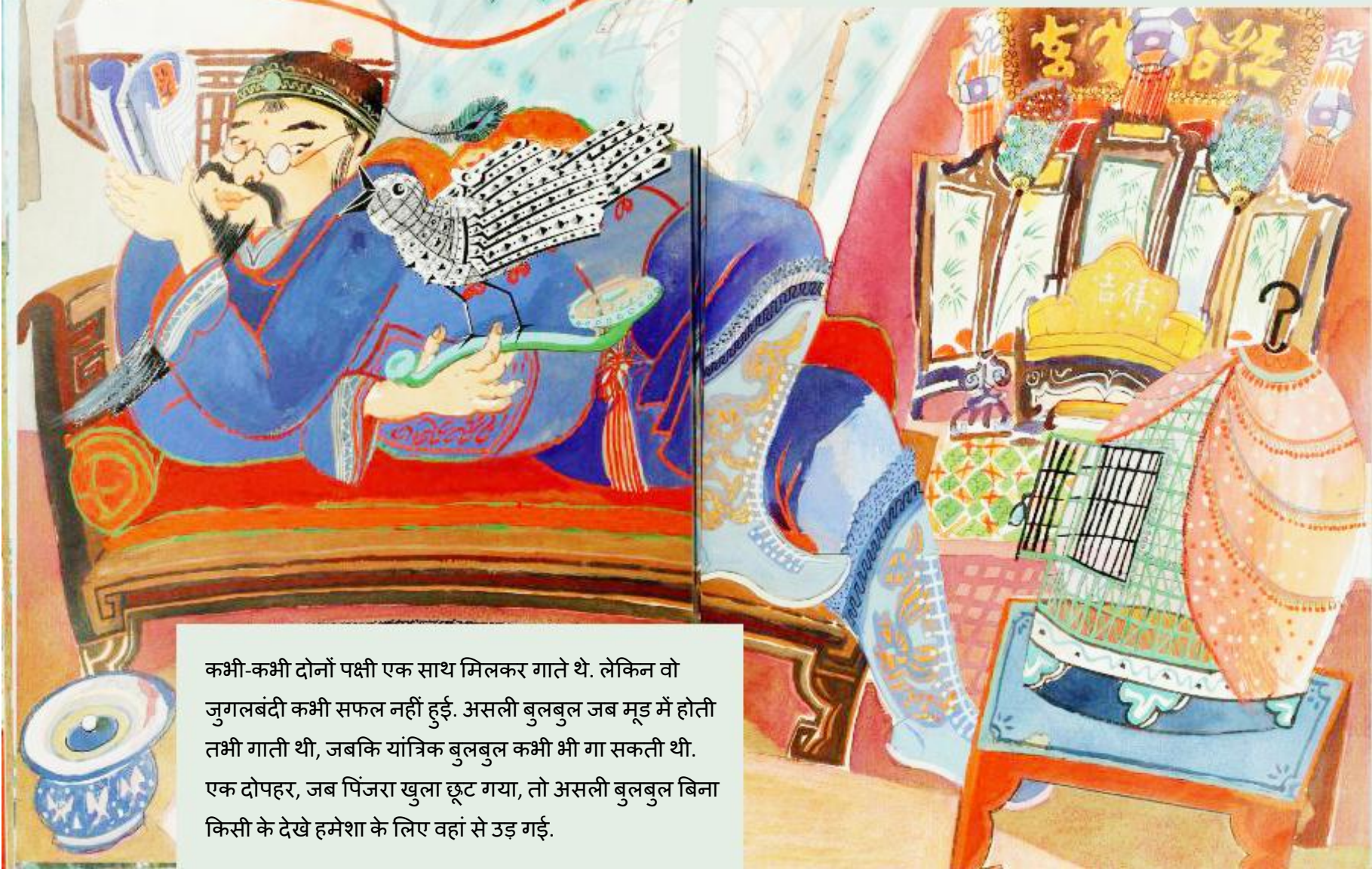
कभी-कभी दोनों पक्षी एक साथ मिलकर गाते थे. लेकिन वो जुगलबंदी कभी सफल नहीं हुई. असली बुलबुल जब मूड में होती तभी गाती थी, जबकि यांत्रिक बुलबुल कभी भी गा सकती थी. एक दोपहर, जब पिंजरा खुला छूट गया, तो असली बुलबुल बिना किसी के देखे हमेशा के लिए वहां से उड़ गई.

सम्राट ने इसका कुछ बुरा नहीं माना.
अब असली बुलबुल की बजाए वो यांत्रिक बुलबुल
के गीत सुनने लगे.
फिर, एक दिन यांत्रिक बुलबुल ने गीत गाने बंद
कर दिए.
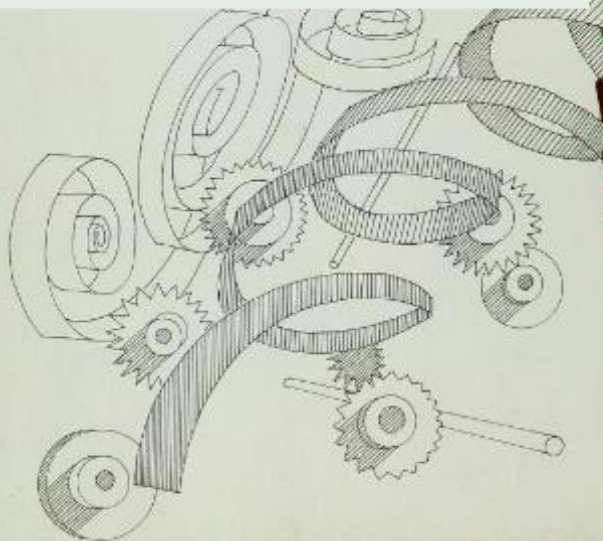
शाही घड़ीसाज़ ने यांत्रिक बुलबुल की जांच की.
"अब यह खिलौना घिसने लगा है," घड़ीसाज़ ने कहा.
"अब से इसे केवल विशेष अवसरों पर ही गाना
चाहिए."
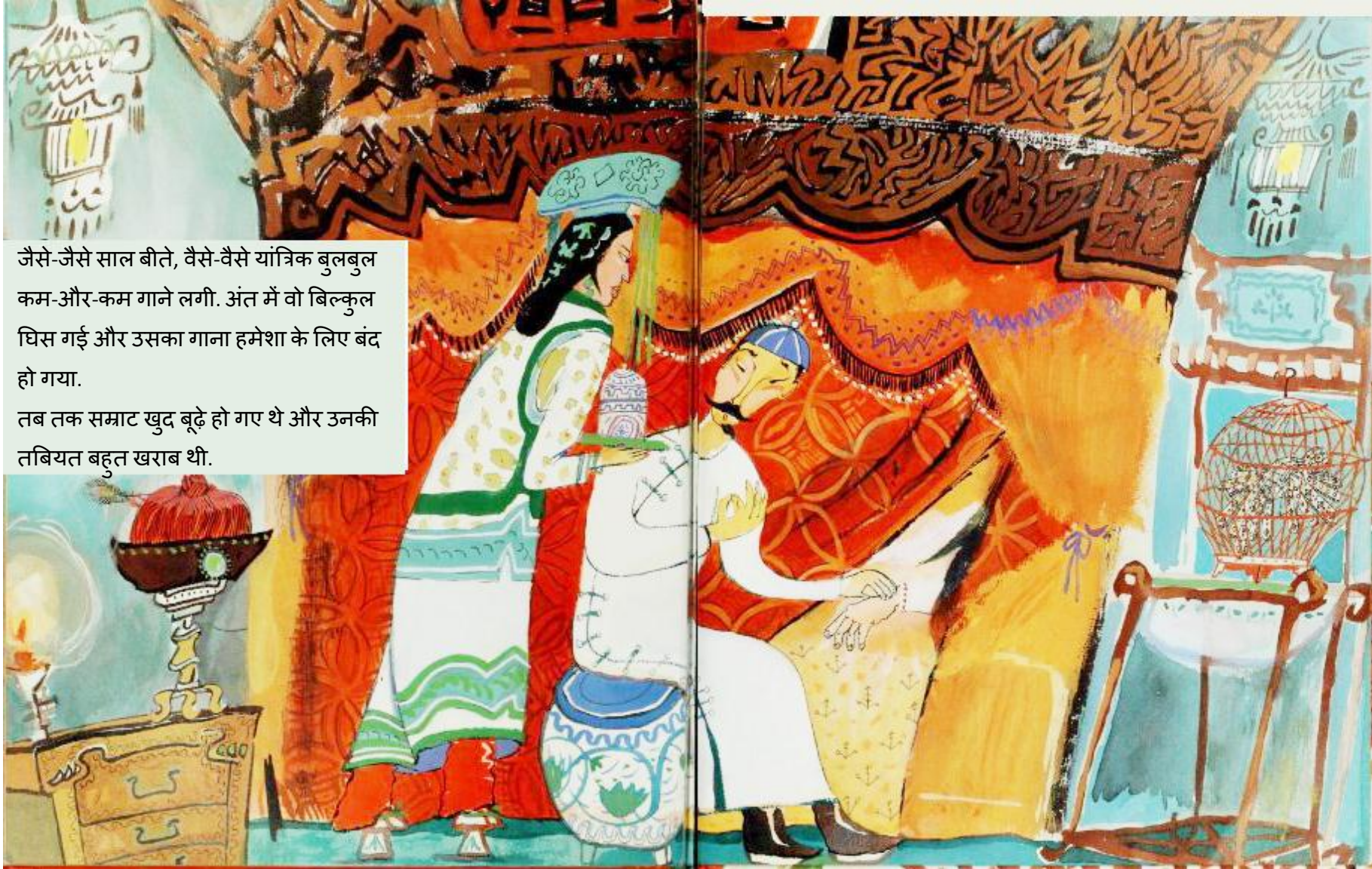
जैसे-जैसे साल बीते, वैसे-वैसे यांत्रिक बुलबुल कम-और-कम गाने लगी. अंत में वो बिल्कुल घिस गई और उसका गाना हमेशा के लिए बंद हो गया.

तब तक सम्राट खुद बूढ़े हो गए थे और उनकी तबियत बहुत खराब थी.
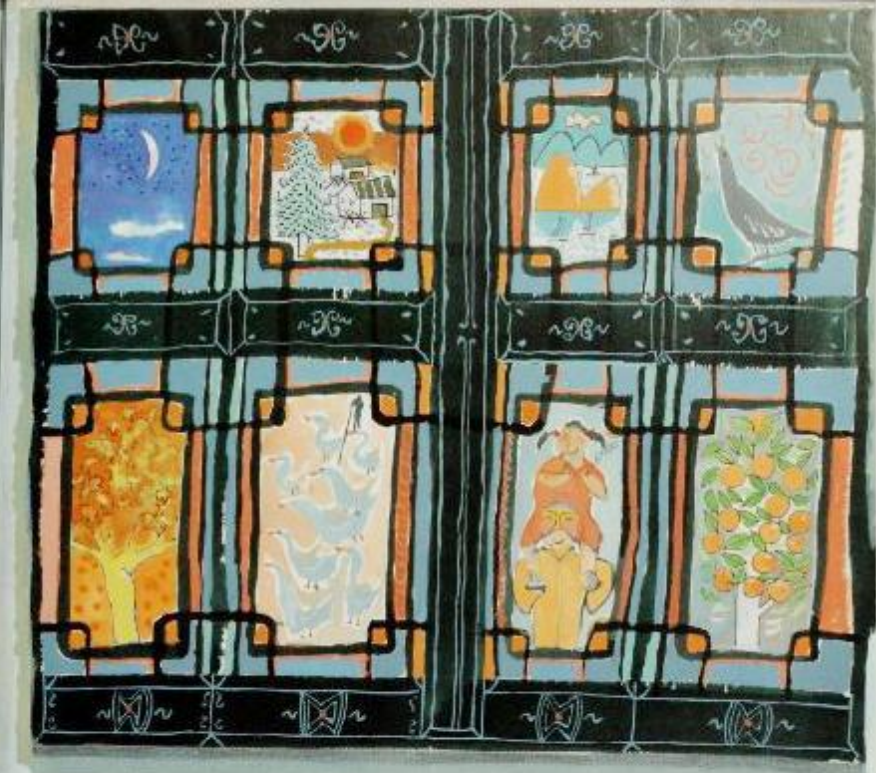
सम्राट ने अपने दर्द को शांत करने के लिए यांत्रिक बुलबुल से गीत गाने की भीख मांगी, लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ.

अचानक उन्होंने खिड़की के बाहर एक सुंदर आवाज सुनी. बाहर असली बुलबुल गा रही थी. बुलबुल ने ख़ुशी के गीत गाए और जीवन की सुंदरता के गीत गाए.

उससे सम्राट का दर्द कुछ कम हुआ.

"मैं तुम्हारा एहसान कैसे चुका सकता हूं?" सम्राट ने पूछा.

"आप मुझे पहले ही पुरस्कृत कर चुके हैं, जब मेरी पहली धुन सुनने के बाद आपकी आँखों से आंसू बहे थे," बुलबुल ने कहा.

बुलबुल ने दुबारा गाया, और फिर कहा. "मैं सुनहरे पिंजरे में बैठने के लिए नहीं बनी थी. अब आप सोएं. जब आप जागेंगे तब मैं फिर से आकर आपके लिए गाऊंगी. आपके राज्य में क्या हो रहा है वो मैं आपको अपने गीतों के ज़रिये बताऊंगी. पर यह हम दोनों के बीच एक रहस्य बना रहेगा. क्योंकि उड़ती चिड़िया दूर की उन चीज़ों को भी देख सकती है जो सम्राट की आँखों से छिपी होती हैं."

सम्राट ने बुलबुल को धन्यवाद दिया, और वो एक गहरी, शांतिपूर्ण नींद में डूब गए.

तब से महान सम्राट और छोटी बुलबुल के बीच एक रहस्यमयी दोस्ती की शुरुआत हुई.

अंत